मौलाना आज़ाद नेशनल उर्दू यूनिवर्सिटी, हैदराबाद

हिन्दी विभाग

PGDFHT पाठ्यक्रम

प्रथम सत्र :

पाठ्यचर्या -1

प्रयोजनमूलक हिन्दी

प्रयोजनमूलक हिन्दी : अर्थ, परिभाषा और क्षेत्र : ज्ञान प्रधान सूचनात्मक और रचनात्मक साहित्य में प्रयुक्त भाषा-भेद, हिन्दी का क्षेत्रीय, राष्ट्रिय एवं अंतराष्ट्रीय संदर्भ; राष्ट्रभाषा, राज्यभाषा, संपर्क भाषा, शिक्षा माध्यम भाषा, राष्ट्रभाषा और राजभाषा के रूप में हिन्दी की संवैधानिक और वास्तविक स्थिति भाषा प्रयोजन और भाषा प्रबंधन

भारतीय बहू भाषिकता और हिन्दी, हिन्दी कि व्यापक संकल्पना

प्रयुक्ति का अर्थ और प्रकार

प्रयोजनमूलक हिन्दी की विविध प्रयुक्तियाँ

संदर्भ ग्रंथः

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी और कार्यालयी हिन्दी	:	डॉ. कृष्णकुमार गोस्वामी
2. प्रयोजनमूलक हिन्दी तथा भाषा कंप्यूटिंग	:	संपादक- डॉ. जमादर एम.एच. प्रो. जान अहमद.के.जे.
3. प्रयोजनमूलक हिन्दी	:	डॉ. नरेश मिश्र
4. हिन्दी भाषा का प्रयोजनमूलक स्वरूप	:	डॉ. कैलाशचंद्र भाटिया
5. प्रयोजनमूलक हिन्दी और राजभाषा पत्रकारिता	:	गोवर्धन ठाकुर
6. प्रयोजनमूलक हिन्दीः विविध आयाम	:	डॉ. मनोज कुमार पाण्डेय
7. प्रयोजनमूलक हिन्दी और अनुवाद	:	डॉ. तेजस्वी कट्टीमनी

पाठ्यचर्या- 2

अनुवाद सिद्धान्त

अनुवादः अर्थ, परिभाषा और प्रक्रिया

अनुवादः कला, विज्ञान अथवा शिल्प

अनुवाद के प्रकार- श्ब्दानुवाद, भावानुवाद, छायानुवाद, मौखिक, लिखित, आशु अनुवाद, लिप्यंतरण,

अनुवाद का महत्व, सार्थकता एवं उपयोगिता; संस्कृति संरक्षण एवं प्रसार,

भारतीय एकता एवं विश्व मैत्री का साधन अनुवाद- उद्योग के रूप

अनुवाद का इतिहास; सांस्कृतिक संदर्भ

साहित्यिक अनुवाद एवं साहित्येतर अनुवाद; शैलीगत, आंचलिक रंगत,

लोकोक्ति- मुहावरे, संस्कृतिनिष्ठता अनुवाद की संभावना

सन्दर्भ ग्रन्थ

1. अनुवाद कलाः सिद्धांत और प्रयोग : डॉ. कैलाश चंद्र भाटिया
2. अनुवाद सिद्धांत और प्रयोग : डॉ. जी. गोपीनाथन
3. अनुवाद कला : एन. ई. विश्वनाथ अय्यर
4. अनुवाद सिद्धांत और समस्याएँ : डॉ. रविंद्रनाथ श्रीवास्तव, कृष्णकुमार गोस्वामी.

पाठ्यचर्या- 3

भाषा विज्ञान और अनुवाद

आंतरिक अनुशासित अध्ययन के रूप में अनुवाद

तुलनात्मक भाषाविज्ञान, अनुप्रयुक्त भाषाविज्ञान और व्यतिरेकी भाषाविज्ञान

मूल भाषा एवं लक्ष्य भाषा के संदर्भ में भाषा एक प्रतीक व्यवस्था एवं लक्ष्य भाषा

व्यतिरेकी विश्लेषण

अनुवाद; पुनर संरचनात्मक प्रक्रिया

सन्दर्भ ग्रन्थ

1. भाषा विज्ञान : डॉ. भोलानाथ तिवारी
2. आधुनिक भाषा विज्ञान : भोलानाथ तिवारी
3. भाषा शास्त्र की रूपरेखा : डॉ. उदयनारयण तिवारी
4. भाषा विज्ञान की भूमिका : डॉ. देवेन्द्रनाथ शर्मा

पाठ्यचर्या- 4

प्रशासनिक एवं कार्यालयी हिन्दी-अनुवाद

प्रशासनिक क्षेत्रों में (सार्वजनिक एवं निजी) हिन्दी का व्यवहार तथा अनुवाद केंद्र और राज्य का स्थानीय प्रशासन से पिटीआर व्यवहार

कार्यालयों में प्रयुक्त तकनीकी शब्दावली

पदनाम

कार्यालयी अधिनियम दस्तावेज़ एवं कार्यालयी पत्र-व्यवहार (सूचना, विज्ञापन, निविदा, नियुक्ति, आवेदन आदि से संबधित)

टिप्पणी, आलेखन

सन्दर्भ ग्रन्थ

प्रयोजनमूलक हिंदी और कार्यालयीन हिंदी – डॉ. कृष्णकुमार गोस्वामी

पाठ्यचर्या-5

पत्रकारिता एवं जनसंचार माध्यमों में हिन्दी-अनुवाद

पत्रकारिता और हिन्दी पत्रकारिता

हिन्दी पत्रकारिता की शब्दावली और अनुवाद

समाचार सम्पादन

रिपोर्ट लेखन

फीचर लेखन, स्तंभ लेखन और अनुवाद

खेल, फिल्म साहित्य- समीक्षा में अनुवाद की आवश्यकता

बाजार प्रतिवेदन और अनुवाद की समस्या

विज्ञापन और हिन्दी, रेडियो, दूरदर्शन, (टेलीविज़न) तथा फिल्मों में हिन्दी

जनसम्पर्क (रेल, डाक) और इन्टरनेट में हिन्दी

पाठ्यचर्या-6

परियोजना कार्य

किसी चयनित भारतीय साहित्यिक अथवा मानविकी विषयों का कम से कम 50 पृष्ठों की अँग्रेजी पुस्तक का हिन्दी अनुवाद अथवा हिन्दी पुस्तक का अँग्रेजी में अनुवाद